

मसाधारण

## EXTRAORDINARY

जाग **∏—काण्ड** 3—कपकाण्ड (ii)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 121]

नई विल्ली, शनिचार, मार्च 31, 1973/चैत्र 10, 1895

No. 121]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 31, 1973/CHAITRA 10, 1895

इस भाग में भिन्न पुष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रेलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

## MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Internal Trade)

CIVIL SUI PLIES ORGANISATION

## ORDER

New Delhi, the 31st March 1973

S.O. 188(E).—In exercise of the powers conferred by sub-clause (xi) of clause (a) of section 2 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby declares the following commodity to be an essential commodity for the purposes of the said Act, namely:—

Yarn made wholly or in part from any of the following materials, namely:—

- (i) cotton;
- (ii) wool;
- (iii) man-made cellulosic spun fibre;
- (iv) man-made non cellulosic spun fibre;
- (v) silk.

[No. 26(5)CS-II/73.]

R. K. TALWAR, It. Secy.

वाणिज्य मंत्रालय (म्रान्तरिक ब्यापार्र (स्थिभाग) सिविल ग्रापूर्ति (संगठन

श्रादेश

नई दिल्ली, 31 मार्ख, 1973

का॰ ग्रा॰ 188 (भ्र) ग्रावश्यक वस्तु ग्रिधिनियम, 1955 (1955 का 10) की धारा 2 के खण्ड (क) के उपखण्ड (XI) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त ग्रिधिनियम के प्रयोजनों के लिए निम्नलिखित वस्तु को ग्रावश्यक वस्तु के रूप में घोषित करती है, ग्रार्थात् :—

निम्नलिखित सामग्रियों में से किसी से पूर्णत: या भागत: विका सूत, अर्थात् :---

- (i) कपास;
- (ii) ऊन ;
- (iii) मानव-निर्मित सेलुलोजी से कता हुआ तन्तु ;
- (iV) मानव-निर्मित सेलुलोजी-इतर से कता हुन्ना तन्सु ;
- (V) रेशम ।

[सं०26 (5) सि० म्रा०-II/73<math>]म्रार० के० तलवार संयुक्त सचिव,।